राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

शिक्षा–विकास के क्रम में सामाजिक न्याय हेतु प्रतिबद्धता भी जरूरी है–राज्यपाल

पटना, 16 नवम्बर 2019

''वर्तमान शिक्षा–व्यवस्था में पूंजी और टेक्नोलॉजी का यद्यपि हस्तक्षेप बढ़ा है, तथापि सामाजिक न्याय और लोक–कल्याण के लिए हमें निरंतर प्रतिबद्ध बने रहना है। आज आवश्यकता है कि हम तकनीकी और वैज्ञानिक विकास की प्रक्रिया के दौर में भी अपने सांस्कृतिक मूल्यों तथा सामाजिक समानता की रक्षा के प्रति सजग–सचेष्ट रहें।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने स्थानीय एस॰के॰ मेमोरियल हॉल में इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के '29वें वार्षिकोत्सव' का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति भौतिक विकास के साथ–साथ, आध्यात्मिक विकास पर भी जोर देती है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की बात जब मैं करता हूँ, तो इसका सीधा मतलब यह लिया जाना चाहिए कि हमें अपनी ऐतिहासिक विरासतों, भारतीय परम्पराओं और शाश्वत मानवीय मूल्यों के प्रति पूरी तरह आस्थावान रहना है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विकास अगर मानवीय हितों का ख्याल रखते हुए होता है, तो उसमें किसी को भी कोई आपत्ति नही हो सकती, किन्तु साथ ही राष्ट्र की संस्कृति और सभ्यता की मौलिकता की रक्षा भी देश के प्रत्येक नागरिक का परम कर्त्तव्य है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि रामायण, महाभारत, वेद–पुराण, कुरान, बाईबिल आदि सारे धार्मिक–ग्रन्थ हमें सदाचार और मानवता के पथ पर चलने की ही प्रेरणा देते हैं। राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक भारत का महान ग्रन्थ 'भारतीय संविधान' भारतीय संस्कृति और जीवन का सर्वश्रेष्ठ मर्यादा–ग्रन्थ है। हमें इसकी 'प्रस्तावना' को अपने जीवन में उतारने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान की 'प्रस्तावना' में ही समानता, स्वतंत्रता, शांति, न्याय एवं धर्म–निरपेक्षता आदि जिन बातों का उल्लेख है, वे हमारे जीवन को नियमित बनाने के लिए बेहद जरूरी हैं।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि किसी भी संस्था का 'वार्षिकोत्सव' वह अवसर होता है, जिसके माध्यम से वह अपनी विगत प्रगति–यात्रा का मूल्यांकन करती है और अपने भविष्य के नवनिर्माण हेतु दृढ़संकल्पित होती है। यह आयोजन एक ऐसा उत्सव होता है, जिसमें हमें दोहरे आनन्द की प्राप्ति होती है। एक तो अपने अतीत की उपलब्धियों पर हमें खुश होने का मौका मिलता है, दूसरी ओर भविष्य के सपनों को साकार करने हेतु अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता अभिव्यक्त करने का आनन्द मिलता है।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने स्वामी विवेकानन्द को उद्धृत करते हुए कहा कि एक आदर्श विद्यार्थी में स्वाभिमान, साहस, चरित्र–बल और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों का समाहार आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सभी अभिभावकों का आह्वान करते हुए कहा कि आइए, हम सभी मिलकर एक सुन्दर प्रान्त और देश के नवनिर्माण का संकल्प लें।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने विभिन्न प्रक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को पुरस्कृत–सम्मानित भी किया।

समारोह में विधायक श्री शकील अहमद खान, पूर्व मंत्री श्रीनारायण यादव, पूर्व विधायक श्री मंजीत कुमार सिंह, प्रख्यात चिकित्सक डॉ॰ ए॰ए॰ हई, विद्यालय के संरक्षक डॉ॰ एम॰ हसन, भा॰प्र॰से॰ के अधिकारी श्री अनिमेष पराशर, श्री परवेज आलम आदि भी उपस्थित थे। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

.....